|| ॐ साईं राम ||

When one wishes to cross the ocean, one must have faith in the navigator, similarly, to cross the samsaric ocean one must have faith in the Guru.

- **Year-** 17 **Issue-** 44
  Ghaziabad, Sunday,
  29 March- 2026
- 29 March to
  04 April- 2026
- **Page:** 8

- **RNI.No:** UPBIL/2009/28691
- **DAVP Code:**101473
- **Editor:** Dheeraj Kumar
- **Mob.:** 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

www.tbcgzb.in

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 8

नव निर्माण के नौ वर्ष: प्रभारी मंत्री ने फीता काटकर प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश बना देश का ग्रोथ इंजन: प्रभारी मंत्री असीम अरुण

- मोबाइल हेल्थ वाहन को दिखाई हरी झंडी, 150 लाभार्थियों को टूल किट व युवाओं को ऋण वितरण

डॉ धीरज कुमार भार्गव

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के 'नव निर्माण के नौ वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन, गाजियाबाद में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी, विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि असीम अरुण (राज्यमंत्री, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग) ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन एवं निरीक्षण किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एचडीएफसी परिवर्तन एवं नेचुरल केयर संस्था द्वारा, जिला क्षय रोग विभाग के सहयोग से संचालित मोबाइल हेल्थ वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मोबाइल हेल्थ क्लिनिक दूरदराज क्षेत्रों में जाकर टीबी एवं एचआईवी जैसी बीमारियों की जांच एवं स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। साथ ही पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, धौलाना विधायक धर्मेश तोमर एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का भी सम्मान किया गया। अपने संबोधन में असीम अरुण ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की श्रेणी से निकलकर विकासशील और अग्रणी राज्य बन चुका है। योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के चलते अपराध पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है और अब भ्रष्टाचार पर भी सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में आरआरटीएस, मेट्रो और एलिवेटेड रोड जैसे बड़े प्रोजेक्ट विकास की नई दिशा दे रहे हैं। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जनसुविधाओं के क्षेत्र में भी निरंतर प्रगति हो रही है। कार्यक्रम के दौरान जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत कुम्हार, बढ़ई, राजमिस्त्री एवं दर्जी ट्रेड के लगभग 150 लाभार्थियों को टूल किट वितरित की गई। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु लाखों रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त 35 ग्राम प्रधानों को ह्यटीबी मुक्त पंचायतह्व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में राज्यमंत्री द्वारा प्रेस वार्ता भी की गई तथा 'नव निर्माण के नौ वर्ष' विषयक पुस्तक एवं ब्रोशर का विमोचन किया गया।

हरीश राणा का निधन, दिल्ली के एम्स में पाई इच्छामृत्यु, 13 साल के दर्द से मिली मुक्ति

प्रतीक भार्गव

गाजियाबाद। दिल्ली एम्स में इच्छा मृत्यु की प्रक्रिया के लिए भर्ती हरीश राणा का मंगलवार को निधन हो गया। उन्हें 14 मार्च को एम्स में भर्ती कराया गया था। उन्होंने 11वें दिन अंतिम सांस ली। 14 मार्च को भर्ती होने के बाद 16 मार्च से हरीश राणा की इच्छा मृत्यु की प्रक्रिया शुरू हुई थी। प्रक्रिया के पहले चरण में उनको ट्यूब के जरिए दिया जाने वाला खाना पहले बंद किया गया था, इसके बाद दूसरे चरण में पानी बंद किया गया था। तब से डॉक्टर उनकी हालत पर लगातार नजर रख रहे थे। 13 वर्षों से कोमा में रहे गाजियाबाद के युवक हरीश राणा एम्स के आईआरसीएच (इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल) के पैलिएटिव केयर वार्ड में भर्ती कराया गया था। उल्लेखनीय है कि, 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु के लिए जीवन रक्षक प्रणाली बंद या हटाने की अनुमति दी थी और उसे पैलिएटिव केयर के लिए एम्स में भर्ती करने का निर्देश दिया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद एम्स ने डॉक्टरों की एक कमेटी गठित की और उसे 14 मार्च को एम्स में भर्ती कराया गया था। बता दें कि, डॉक्टर के अनुसार हरीश राणा के शरीर से पोषण देने वाली ट्यूब निकाली नहीं गई थी, बल्कि उस पर कैप लगा दिया गया था। इसी तरह पानी देने वाली ट्यूब को भी कैप लगाकर बंद कर दिया गया था। इस तरह से हरीश राणा को इच्छा मृत्यु देने की प्रक्रिया आगे बढ़नी शुरू हुई थी। वहीं इससे पहले हरीश राणा के माता-पिता की ओर से उनके अंगदान का निर्णय लेने के बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। हरीश राणा की मृत्यु के बाद उनके अंगों से दूसरे लोगों को भी जीवन मिल सकेगा। बता दें कि, हरीश राणा पिछले 13 साल से बिस्तर पर पड़े होकर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे थे। साथ ही पूरी प्रक्रिया के बारे में निर्देश दिए थे। एम्स के डॉक्टर पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित और सामान्य बनाने पर काम कर रहे थे। इच्छा मृत्यु की दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद हरीश राणा से मिलने की अनुमति बंद कर दी गई थी।

Editorial

Where is Alternative Energy?

Due to the conflict involving Iran, circumstances have arisen such that, for the first time, a debate regarding fossil fuels (coal, oil, etc.) has been sparked. This debate is not driven by climate change, but rather by the disruption of oil and gas supplies and the realization of their limited availability. The world cannot abruptly pivot its focus to alternative energy sources, as they are extremely limited and, in many countries, simply unavailable. India is a nation where solar, wind, hydroelectric, and nuclear energy are being continuously generated; consequently, people are utilizing them. Amidst this phase of oil and gas crisis, the government facilitated over 350,000 new PNG (piped natural gas for cooking) connections in the month of March alone. Currently, the country has just over 16.5 million consumers of this gas. The nation's population exceeds 1.47 billion, of which 330 million are consumers of LPG (liquefied petroleum gas). In reality, the infrastructure for PNG is extremely limited; pipeline facilities exist only in a select few residential colonies within a handful of major cities. How, then, can the average consumer in the country even *imagine* using alternative energy—let alone actually utilize it? The oil and gas crisis triggered by the conflict involving Iran has become so pervasive that both households and commercial establishments are contemplating—or have already begun—reverting to burning wood and coal in traditional stoves. A regression toward an era of smoke and pollution...! India's dependence on fossil fuels is not merely an issue of climate and the environment; it is also a matter of national security. Experts have been issuing constant warnings that a food crisis is inextricably linked to this energy crisis. India's import bill constitutes a crisis-level burden in its own right, with countries in the Middle East accounting for approximately 60 percent of it. Even before the onset of the conflict involving Iran, India's oil and gas import bill had already reached a level where it was projected to skyrocket to as much as $180 billion within a single year. Qatar supplied India with 11 million tonnes of LNG in 2024-25. This accounted for approximately 41 percent of the total supply. Given our reliance on oil and gas imports, our economy has become dependent on specific regions and maritime routes where the influence or intervention of either India or the supplying nations is limited.

Manisha Bhargava

VIDA unveils VX2 Plus KKR Limited Edition along with VIDA Electrifying Player of the Match

Prateek Bhargava

New Delhi. VIDA, Powered by Hero MotoCorp, announced the launch of the VIDA VX2 Plus KKR Limited Edition for retail during the Knights Unplugged 3.0 on Tuesday. Inspired by the fearless spirit and championship legacy of the Kolkata Knight Riders (KKR), the Knight Edition Evooter features the team's signature Knight Purple and Gold colours seamlessly integrated into the VIDA VX2's contemporary design. A golden halftone gradient with micro-dotted patterns gradually blends in with the pearl black bodycolor. The distinctive design highlight includes three accent marks, symbolising the three championship titles won by the franchise.

This limited edition electric Evooter was unveiled in the presence of all team players at Knights Unplugged 3.0 and will be available at select VIDA outlets.

Kausalya Nandakumar, Chief Business Officer – VIDA, powered by Hero MotoCorp, said, "The launch of KKR Limited Edition VX2 Plus reflects Hero MotoCorp's approach of blending distinctive design with culturally relevant collaborations. By bringing

together the bold identity of the Kolkata Knight Riders and VIDA's electric mobility platform, the initiative adds a unique dimension to the brand's engagement in the T20 season through meaningful cultural and sporting association. The special Edition VX2 Plus further strengthens our commitment to sustainable mobility with the electrifying energy of one of the most celebrated teams in the league."

Venky Mysore, Chief Executive Officer, Kolkata Knight Riders, said, "At Kolkata Knight Riders, we have always believed in building partnerships that go beyond visibility and create genuine value for our fans and partners alike. Our collaboration with VIDA reflects that philosophy, bringing together innovation in electric mobility with the spirit and identity of the KKR brand. The VX2 Plus KKR Limited Edition is a unique way to extend the Knight Riders experience beyond the field, offering fans a product that embodies performance, sustainability, and the distinctive ethos of our franchise."

The VX2 Plus retains VIDA's youthful and contemporary styling, defined by clean body panels and a modern silhouette. A distinctive LED headlamp with integrated indicators, along with unique LED DRLs* at the front and rear, gives the scooter a striking lighting signature, where the rush of throttle meets the roar of the crowd. Alongside the VX2 Plus Knight Edition, fans can also get a limited-edition KKR helmet, designed in the franchise's signature colours.

This Clears a Lot of Doubts About Myself": Prince Deep Singh Finds Belief Through Double Nomination at Hockey India 8th Annual Awards 2025

Prince Deep Singh has been nominated for Goalkeeper of the Year and Upcoming Player of the Year (Men – Under 21) awards

Prateek Bhargava

New Delhi. For a player who is yet to make his senior international debut, Prince Deep Singh's rise has been anything but ordinary. The young goalkeeper, currently training at the Senior Men's National Camp, has found himself rubbing shoulders with the country's best after being nominated in two of the biggest categories — Hockey India Baljit Singh Award for Goalkeeper of the Year 2025 and Hockey India Jugraj Singh Award for Upcoming Player of the Year 2025 (Men – Under 21) — at the Hockey India 8th Annual Awards 2025 which will be held on 27 March 2026 in New Delhi.

It is a recognition that feels both surreal and deeply affirming for the 21-year-old player, who only broke into the international scene in 2024 with the Indian Junior Men's Hockey Team, but has already won numerous laurels with the team - including a Gold medal at the FIH Junior Asia Cup 2024, a

Silver medal at the Sultan of Johor Cup 2025, and a Bronze medal at the FIH Men's Junior World Cup Tamil Nadu 2025.

Interestingly, Prince Deep Singh was also named 'Goalkeeper of the Tournament' in the Men's Hero Hockey India League (HIL) 2025-26, where he played for Accord Tamil Nadu Dragons. "I feel very happy and proud," Prince says with quiet conviction. "It usually takes time to get nominated for such awards, but I got this opportunity early. Performing well in tournaments and seeing my name among top goalkeepers — it motivates me a lot."

His journey to this moment has been shaped by performances under pressure. At the FIH Junior Men's World Cup 2025, where India clinched Bronze, Prince stood tall in crunch situations, particularly during India's quarter-final against Belgium — a match that tested not just skill, but temperament. "That match was do-or-die for us," he recalls. "We conceded late and it went into a shootout. My teammates kept telling me, 'you have played well, you will do it.' When I made the early saves, it reduced pressure on the team. The crowd, the noise — it all boosted my confidence."

Those moments, forged in high-stakes environments, have fast-tracked his growth — but his beginnings were far more unassuming. Hailing from Pathankot, Prince did not start as a goalkeeper. He was a full-back at the Cheema Hockey Academy in Batala, balancing hockey with weekend football games. It was on those football fields that his natural instincts began to stand out.

"I used to play as a goalkeeper in football and made some good saves. My coaches noticed my height and reach and suggested I try goalkeeping in hockey. That's how everything started," he says. Today, that instinct has evolved into a craft — one that demands not just reflexes, but resilience. Goalkeeping, often described as one of the most mentally demanding positions in hockey, is something Prince is still mastering. "There is always pressure — from the crowd, from the match situation," he explains. "I start preparing mentally a day before. I focus on rest, planning, and staying clear in my mind. During the game, communication helps me a lot. The more I talk, the more I stay in control." Learning from senior players in the national setup has also been instrumental in shaping his approach, as he continues to absorb the nuances of elite-level hockey. Among his key learning moments, the Sultan Johor Cup 2025 stands out — not for a Silver medal win, but for the lessons it offered. "Playing against teams like Australia made me realise the importance of giving 100% for the team in every moment," he says. Despite not yet earning his senior cap, Prince's nomination alongside Krishan Bahadur Pathak, Bichu Devi Kharibam, and Suraj Karkera, places him in elite company — a testament to both his potential and his performances. "India has a strong pool of goalkeepers. To be nominated among them, even before my senior debut, feels special. It gives me confidence that I am on the right path," he says.

"There is more clarity in how we want to play," says Delhi Capitals skipper Axar Patel as Tigers set to roar in IPL 2026

Axar Patel, Hemang Badani and Venugopal Rao outline leadership evolution, T20 approach and scouting focus as Delhi Capitals gear up for the new season

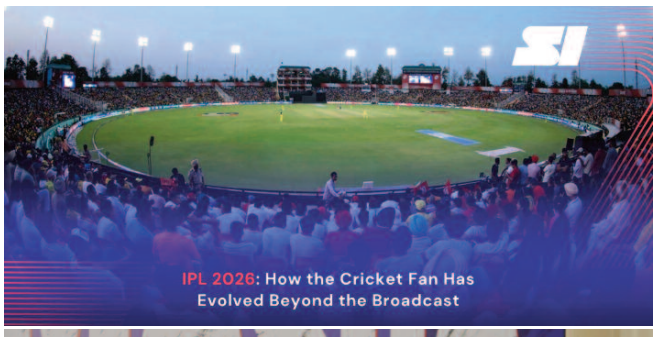

Prateek Bhargava

New Delhi. The JSW and GMR co-owned Delhi Capitals addressed the media ahead of IPL 2026, with Captain Axar Patel, Head Coach Hemang Badani and Director of Cricket, DC (IPL) Venugopal Rao outlining the team's preparations, leadership direction and squad build-up for the new season.

Speaking about the environment within the squad, Axar Patel highlighted the energy in the group as a key driving force heading into the season.

"What excites me the most is the energy in the group. When players are motivated and ready to give their best, it reflects on the field. As a captain, that gives you confidence that the team is moving in the right direction and building something strong together," Axar said.

Heading into his second season as captain, Axar spoke about the added clarity in leadership and the importance of trust within the Delhi Capitals setup.

"Second year as captain, there is more clarity in how we want to play as a team. Last season, you learn a lot about situations, about players and about yourself as a leader. Now the focus is on being positive and aggressive, but also building trust within the group. When players feel backed, performances follow and that is the environment we want to create," he said.

Reflecting on the team's outlook, Axar reiterated that the focus remains on moving forward rather than dwelling on past results.

"As a team, we don't sit and talk about what has happened before. Everyone knows where we could have done better, but the conversation is always about improving from here. It is about staying positive and focusing on what we can control as a group," he added.

Head Coach Hemang Badani underlined how the evolution of the T20 format continues to shape the way teams approach the game. "The format has evolved to a point where intent is everything. Scores of 220 or more are becoming common and teams that adapt quickly are the ones that stay ahead. It is not just about phases anymore, it is about being proactive throughout and understanding how the game is constantly changing," Badani said. Backing Axar's leadership, Badani also spoke about the importance of continuity within the setup. "He understands the environment and what it takes to lead in a tournament like this. We saw some very strong phases last season and that reflects the potential of this group. Continuity in leadership gives us a chance to build on that and move forward with more clarity," he added. Director of Cricket, DC (IPL), Venugopal Rao emphasised the importance of stability while also highlighting the franchise's focus on scouting and building for the future.

"Continuity in leadership is important and Axar brings that understanding of the team and the fans. At the same time, our focus is also on building for the future.

Punjab Kings seek blessings ahead of IPL 2026 season

Prateek Bhargava

Chandigarh. Punjab Kings conducted a Puja at the New International Cricket Stadium, New Chandigarh, ahead of the Indian Premier League (IPL) 2026 season. Head coach Ricky Ponting, spin bowling coach Sairaj Bahutule and wicketkeeping coach Brad Haddin were among those present. The group sought blessings for the season ahead as the franchise gears up for what promises to be an exciting campaign. The Kings kick off their IPL 2026 season at home against the Gujarat Titans on Tuesday, March 31.

पीएम सूर्यघर योजना में लापरवाही पर सीडीओ का कड़ा एक्शन

पेंडिंग लोन फाइलों के तुरंत निस्तारण के आदेश, बैंकों की जवाबदेही तय

मनीषा भार्गव

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत अपेक्षित प्रगति न होने पर जनपद में प्रशासनिक सख्ती देखने को मिली। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में योजना की धीमी गति पर गहरी नाराजगी जताई गई। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए पाया गया कि लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं हो पा रही है, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि योजना के तहत बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण से संबंधित कई फाइलें लंबित हैं, जिसके कारण लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए एलडीएम को विशेष निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेंडिंग फाइलों के कारण योजना की गति प्रभावित नहीं होनी चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जानकारी भी दी गई। इस क्रम में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा भवन नक्शों में सौर पैनल स्थापना का प्रावधान लागू किए जाने की पहल की सराहना की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने जीडीए के नोडल अधिकारियों से अब तक स्थापित सौर पैनलों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और इस दिशा में और तेजी लाने के निर्देश दिए। नगर निगम गाजियाबाद की भूमिका को भी बैठक में अहम बताया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि कूड़ा संग्रहण वाहनों के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग योजना के प्रति जागरूक हो सकें। इसके साथ ही पार्षदों को भी योजना से जोड़ते हुए उनके आवासों पर सौर पैनल स्थापना के लिए प्रेरित करने को कहा गया, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश जाए और आमजन भी इससे प्रेरित हों। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर निगम, ब्लॉक विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागों के नोडल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित करें और उन्हें योजना के महत्व से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से योजना का लाभ अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके अलावा अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र में पात्र लाभार्थियों की पहचान करें और उन्हें योजना से जोडने के लिए सक्रिय प्रयास करें। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल लक्ष्य पूरा करना नहीं, बल्कि अधिक से अधिक घरों तक सौर ऊर्जा पहुंचाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए आवश्यक है कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और लोगों को इसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाए। बैठक में यह भी जोर दिया गया कि सभी संबंधित अधिकारी नियमित रूप से योजना की प्रगति की समीक्षा करें और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। मुख्य विकास अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में नेडा गाजियाबाद के परियोजना अधिकारी अंशुल चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही नगर निगम गाजियाबाद और गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के नामित नोडल अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। जिला कृषि अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने दोहराया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य आम जनता को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है। ऐसे में सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ इस योजना को सफल बनाने में अपना योगदान दें, ताकि जिले में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिल सके और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज: गाजियाबाद नगर निगम को मिलेगा 1 मिलियन डॉलर, प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को मिलेगी रफ्तार

प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने के लिए पांचों जोन में प्लांट लगाने हेतु निगम की योजनारू नगर आयुक्त

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज में शहर का नाम विश्व के टॉप-24 शहरों में शामिल होने के बाद नगर निगम को 1 मिलियन डॉलर की धनराशि प्राप्त होगी, जिसका उपयोग शहर के विकास और विशेष रूप से प्राकृतिक पेंट प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में किया जाएगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि न्यूयॉर्क से आई ब्लूमबर्ग मेयर चैलेंज की टीम ने निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर परियोजना को आगे बढ़ाने की रणनीति तैयार की। इस दौरान टीम ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रोजेक्ट को प्रभावी बनाने के सुझाव भी दिए।

नगर निगम की योजना के तहत शहर के पांचों जोन में प्राकृतिक पेंट निर्माण के लिए प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इन प्लांट्स में शहर से निकलने वाले गोबर का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करते हुए उससे प्राकृतिक पेंट तैयार किया जाएगा। वर्तमान में निगम द्वारा एक प्लांट संचालित किया जा रहा है, जिसे अब विस्तारित करने की योजना है।

विदेश से आई टीम की सदस्य अनोराह ने भी परियोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की और इसे आगे बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने शहर हित में इस पहल को महत्वपूर्ण बताया। इस परियोजना में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की भागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इनके माध्यम से प्राकृतिक पेंट की मार्केटिंग को मजबूत किया जाएगा।

साथ ही सरकारी और निजी भवनों में प्राकृतिक पेंट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। बैठक के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य अधिकारी एवं विशेषज्ञ टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज: 51 विभागों से मांगी गई कार्मिकों की सूची, प्रगणक-सुपरवाइजर की होगी तैनाती

डॉ धीरज कुमार भार्गव

गाजियाबाद। जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जनपद में प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी क्रम में बुधवार को विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल तथा जिला जनगणना अधिकारी/ एडीएम एफ/ आर सौरभ भट्ट की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की नीतियों और योजनाओं की नींव है, इसलिए इसकी तैयारियों में पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी आवश्यक है। समीक्षा के दौरान यह निर्णय लिया गया कि जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों के कार्मिकों की तैनाती की जाएगी। इसके लिए जनपद के सभी 51 विभागों के विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विभाग के कर्मचारियों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराएं। इन कर्मचारियों को जनगणना के दौरान प्रगणक और सुपरवाइजर के रूप में नियुक्त किया जाएगा, जो घर-घर जाकर आंकड़ों का संकलन करेंगे। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि कार्मिकों की सूची तैयार करते समय विशेष सावधानी बरती जाए। केवल योग्य, प्रशिक्षित और उपलब्ध कर्मचारियों का ही चयन किया जाए, ताकि जनगणना कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। मुख्य विकास अधिकारी ने इस बात पर भी जोर दिया कि सूची में कर्मचारियों का पूरा विवरण स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए, जिससे बाद में किसी प्रकार की दिक्कत उत्पन्न न हो। बैठक में जनगणना से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसमें कार्य विभाजन, प्रशिक्षण, निगरानी व्यवस्था और समयसीमा के निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विभागों में जनगणना से जुड़े कार्यों की नियमित समीक्षा करें और तय समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करें। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने बैठक में दो टूक शब्दों में कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और समयबद्धता के साथ करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य में पारदर्शिता और सटीकता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जिला जनगणना अधिकारी सौरभ भट्ट ने भी अधिकारियों को जनगणना प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्य व्यापक समन्वय और टीमवर्क से ही सफल हो सकता है। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा जताई कि वे आपसी सहयोग के साथ इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को निभाएं। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि सभी विभाग निर्धारित समय के भीतर कार्मिकों की सूची उपलब्ध कराएंगे और आगामी चरणों की तैयारियों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि जनगणना 2027 का कार्य बिना किसी बाधा और त्रुटि के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। जनगणना को देश की विकास योजनाओं की आधारशिला माना जाता है। ऐसे में गाजियाबाद प्रशासन द्वारा की जा रही यह तैयारी यह दशार्ती है कि इस महत्वपूर्ण कार्य को लेकर अधिकारी पूरी तरह गंभीर हैं और हर स्तर पर इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं।

नगर निगम मुख्यालय में संभव जनसुनवाई, 9 शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को 'संभवइ कार्यक्रम के अंतर्गत जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिससे मौके पर ही समस्याओं के समाधान की दिशा में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकी। कार्यक्रम के दौरान अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, उद्यान विभाग के प्रभारी डॉ. अनुज, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एस. के. राय, प्रकाश विभाग के प्रभारी आश कुमार, निर्माण विभाग से एस. पी. मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों की मौजूदगी के कारण शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लिया गया और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान कुल 9 संदर्भ प्राप्त हुए, जिनमें निर्माण विभाग से 2, उद्यान विभाग से 1, संपत्ति विभाग से 1, टैक्स विभाग से 2, अतिक्रमण से संबंधित 2 और अन्य विभागों से 1 शिकायत शामिल रही। नगर आयुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कई मामलों में मौके पर ही टीम भेजकर समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। विशेष रूप से हाउस टैक्स से जुड़े दो मामलों पर तत्काल जांच के निर्देश दिए गए और अधिकारियों ने मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी।

नगर आयुक्त तथा रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई बैठक, शहर की स्वच्छता को लेकर संयुक्त अभियान चलाने की बनाई योजना

शहर हित में रेलवे विभाग तथा नगर निगम संयुक्त रूप से करेगा कार्यवाही: नगर आयुक्त

डॉ धीरज कुमार भार्गव

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में रेलवे विभाग अधिकारियों तथा नगर निगम अधिकारियों के बीच बैठक हुई बैठक में शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और योजना बनाई गई, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक तथा रेलवे विभाग से प्रेम शंकर झा वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, दिल्ली की उपस्थिति में बैठक हुई ' रेलवे ट्रैक से गुजरने वाले मार्ग की साफ सफाई का कार्य अभियान के रूप में किया जाएगा, ऐसे वार्ड जहां पर रेलवे की भूमि आ रही है।

उन पर भी सफाई अभियान चलाया जाएगा अन्य संदर्भ जिसमें रेलवे विभाग तथा नगर निगम विभाग को कार्यवाही की जानी है संयुक्त रूप से निरीक्षण करते हुए कार्यवाही की जाएगी निर्णय लिया गया, बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, समस्त जोन के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के उपस्थित रहे, रेलवे विभाग से सहायक मंडल अभियंता दीपक मीणा, वरिष्ठ खंड अभियंता रजनीश उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग तथा रेलवे विभाग शहर की स्वच्छता के क्रम में संयुक्त अभियान चलाकर कार्य करेगा जिसमें नालों की सफाई से लेकर रेलवे ट्रैक के समीप फैली हुई गंदगी को साफ करने का कार्य संयुक्त अभियान के रूप में किया जाएगा, रेलवे की भूमि पर भी सफाई का कार्य अभियान के रूप में किया जाएगा।

इसके लिए रेलवे के अधिकारी और नगर निगम के अधिकारी संयुक्त निरीक्षण करते हुए स्थान का चिन्ह करण करेंगे, निर्णय लिया गया।

गाजियाबाद नगर निगम तथा रेलवे विभाग जनहित में शहर की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करेगा योजना बनाने के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी मुख्य अभियंता निर्माण को निर्देश दिए गए प्रतिदिन रेलवे विभाग टीम तथा नगर निगम टीम गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत कार्य करेगी इसी के साथ पुराने ऐसे संदर्भ जो की रेलवे और नगर निगम के समन्वय से निस्तारित होंगे उन पर भी कार्य किया जाएगा निर्णय लिया गया, बैठक में उपस्थित रेलवे विभाग के अधिकारी तथा नगर निगम के अधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव भी रखें और संयुक्त रूप से शहर हित में कार्य करने के लिए आगे बढ़ाने की योजना बनाई गई, निर्माण विभाग से अधिशासी अभियंता विपुल कुमार भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने जनता दर्शन में सुनी जन समस्यायें

जनता दर्शन या दायित्वों का निर्वहन करते समय मानवीय संवेदना अवश्य रखें

मनीषा भार्गव

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये। इसी क्रम में मुख्यमंत्री महोदय के निदेर्शानुसार 'जनता दर्शनद्ध/जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिलाधिकारी महोदय ने जनमानस की सुविधा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम पर लाइव रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया एवं जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए। जनता से अपील, शिकायतों के निस्तारण के लिए सम्बंधित अधिकारी से मिलें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ना होने पर जिलाधिकारी से मिलें। जिलाधिकारी ने कहा हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

इसके साथ ही जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने पीड़ितों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और दो व्यक्तियों को उनके परिवार से सम्बंधित परेशानियों के निदान/राहत हेतु रेड क्रास सोसाइटी के माध्यम से सहायता प्रदान की। जिनमें प्रदीप निवासी शास्त्री नगर के पुत्र की नौकरी नहीं लगने के चलते आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा था, इन्हे 30,000 रुपए की सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी।

रामप्रसाद सिंह निवासी वैशाली की पत्नी को कैंसर, पथरी व दिल से सम्बंधित बीमारी है जिनका यशोदा हॉस्पिटल में ईलाज चल रहा था, पैसे की तंगी के चलते अब घर पर बीमारियों का दुःख झेल रही है। जिलाधिकारी महोदय ने इन्हें 40,000 रुपए की सहायता प्रदान करने की स्वीकृति दी। साथ ही अस्पताल से इस्टीमेंट प्रेषित करने को कहा, जिससे मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि जनता दर्शन या दायित्वों का निर्वहन करते समय मानवीय संवेदना अवश्य रखें।

जन सुविधाओं हेतु बेहतर से उत्कृष्ट की ओर हो रहा है कार्य : विधायक डॉ. मंजू सिवाच

विगत नौ वर्षों में विकास और सुविधाओं के हर क्षेत्र में हुए अमूलचूल परिवर्तन

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के "नव निर्माण के नौ वर्ष" पूर्ण होने के उपलक्ष एवं शासनादेश के क्रम में जनपद गाजियाबाद के विकास भवन प्रांगण में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी, विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस अवसर पर "स्वास्थ्य विभाग, पेंशन विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग" विषयक एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य अतिथि के रूप में मा0विधायक मोदीनगर डॉ.मंजू सिवाच उपस्थित रही। मा0 मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी में लगाये गए स्टाल का अवलोकन करते हुए जानकारी प्राप्त की। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल व सीएमओ डॉ.अखिलेश मोहन द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ, पौधा, प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ.मंजू सिवाच ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश सरकार ने विगत 09 वर्षों में प्रदेश स्तर पर ही नहीं अपितु ग्राम स्तर पर भी बेहतर कार्य किये हैं, हर पात्र को लाभ और प्रत्येक क्षेत्र का विकास निरंतर कर रही है। योगी जी के कुशल निर्देशन में जनपद में शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में अविश्वसनीय परिवर्तन हुए हैं। जनपद में स्कूलों और अस्पतालों का निरंतर जीर्णोद्धार, पुनर्निमाण व नये निर्माण कराये जा रहे हैं। जनपदवासियों को अच्छी शिक्षा व बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें इस ओर बहुत अच्छा कार्य हुआ हैं। स्वास्थ्य सेवाऐं अच्छी से उत्कृष्ट बनाने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत हर व्यक्ति का सहयोग अनिवार्य है। केवल एक अच्छी बिल्डिंग या एक अच्छा डॉक्टर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर नहीं बना सकता, इसके लिए जरूरी है स्वास्थ्य विभाग का हर वह स्टाफ जो वहां कार्य कर रहा है उसकी अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी, निष्ठा व लगन के साथ–साथ उसका अच्छा व्यवहार भी जरूरी है। यदि हर क्षेत्र में ऐसा ही हो तो हर व्यक्ति को प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा ही प्राप्त होगी और यही हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए। संगोष्ठी में स्वास्थ्य विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में डॉ. रविंद्र कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा विस्तार से बताया गया। डॉ. अनिल यादव, जिला क्षय रोग अधिकारी द्वारा क्षय रोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। डॉ. नीरज कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। डॉ. आलोक रंजन, चिकित्सक द्वारा संक्रामक रोगों के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. जितेन्द्र कुमार,उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा, एचपीवी वैक्सीन के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। डॉ. प्राची पाल, चिकित्सा अधीक्षक , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डासना द्वारा एनिमिया मुक्त भारत के अंतर्गत किशोर -किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया के लक्षण, कारण, एवं उपचार आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक मोदीनगर, डॉ मंजू सिवाच द्वारा जनपद में सराहनीय कार्य करने के लिये 9 आशा एवं 4 आशा संगिनी को सम्मानित किया गया। 'नव निर्माण के 9 वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प का आयोजन किया गया, कैम्प में आये लोगो की बी.पी. शुगर आदि का टेस्ट किया गया एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाये गये।

कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से कलाकारों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से सम्बंधित जादू, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ रविन्द्र कुमार सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/ कर्मचारियों सहित सैकड़ों की संख्या में आम जनता उपस्थित रही।

'नव निर्माण के नौ वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष में दो चरणों में किया जा रहा है कार्यक्रमों का आयोजन

सबका साथ और सबका विकास ही हमारी प्राथमिकता: विधायक संजीव शर्मा

डॉ धीरज कुमार भार्गव

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के "नव निर्माण के नौ वर्ष" पूर्ण होने के उपलक्ष एवं शासनादेश के क्रम में जनपद गाजियाबाद के विकास भवन प्रांगण में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी, विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें मुख्यरूप से कृषि, पशुपालन, मत्स्य, गन्ना, उद्यान के वैज्ञानिक एवं प्रगतिशील कृषकों तथा जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ गोष्ठी / कार्यक्रम रहे। कार्यक्रमों को दो चरणों 11:00 से 01:00 व 03:00 से 05:00 में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक संजीव शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा सभी विभागों द्वारा लगाये गए स्टाल का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुए प्रथम चरण के कार्यक्रम का संचालन कृषि, पशुपालन, उद्यान व मत्स्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी व मंच के माध्यम से सम्बंधित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग में चल रही योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया और सम्बंधित की समस्या को सुनते हुए उनकी शिकायत का मौके पर निस्तारण भी कराया गया। विधायक संजीव शर्मा ने कहा मोदी जी-योगी जी के नेतृत्व में देश-प्रदेश, शहर व गांव भी विकास की ओर अग्रसर हुए हैं। आज किसानों को कृषि विभाग से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, कृषि यंत्र अनुदान योजना, बीज मिनीकिट योजना, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई योजना, सोलर पंप योजना, प्राकृतिक / जैविक खेती प्रोत्साहन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना सहित किसानों को सब्सिडी, बीमा, उपकरण और नकद सहायता मिलती है। पशुपालन विभाग से कामधेनु डेयरी योजना, मिनी डेयरी योजना, पशुधन विकास योजना, डेयरी विकास प्रोत्साहन योजना, पशु टीकाकरण योजना, गोपालन / गौशाला सहायता योजना, पशुपालक क्रेडिट योजना सहित डेयरी, गाय-भैंस पालन, गोपालन की मुख्यमंत्री गो संवर्धन योजना, मुख्य मन्त्री मिनी नन्दिनी समृद्धि योजना, बकरी पालन आदि के लिए लोन और सब्सिडी मिलती है। उद्यान विभाग से फल एवं सब्जी विकास योजना, ड्रिप सिंचाई योजना (उद्यान), पौधशाला योजना बागवानी मिशन, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, मशरूम / फूल / सब्जी खेती योजना, पॉलीहाउस / ग्रीनहाउस योजना सहित बागवानी, फूल, फल, सब्जी, नर्सरी पर सब्सिडी मिलती है। मत्स्य विभाग से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, तालाब खुदाई अनुदान योजना, मत्स्य पालन प्रशिक्षण योजना, मछली बीज अनुदान योजना, मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड, मछली पालन तालाब सुधार योजना सहित मछली पालन, तालाब, फीड, बीज और प्रशिक्षण पर सहायता मिलती है। मा0विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार हर व्यक्ति को सक्षम बनाने हेतु संकल्पबद्ध है।

सबका साथ और सबका विकास ही हमारी प्राथमिकता है। विधायक गाजियाबाद द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 53932 कृषकों को रू0 204.83 करोड की धनराशि से, पी०एम० कुसुम योजनान्तर्गत 463 कृषकों के प्रक्षेत्र पर सोलर पम्प स्थापना, कृषि उद्यमी एवं स्वावलम्बन योजनान्तर्गत 32 कृषकों को रोजगार, 11332 कृषकों को रू0 83.24 करोड़ की धनराशि का ऋण मोचन, आत्मा योजना के फार्म स्कूल / प्रदर्शन से 1620 कृषकों को कृषि की नई तकनीक अपनाकर, जनपद के 10950 कृषकों को राज्य के अन्दर, राज्य के बाहर एवं जनपद के अन्दर भ्रमण कराकर, 11624 कृषकों को राज्य के अन्दर, राज्य के बाहर एवं जनपद के अन्दर प्रशिक्षण कराकर लाभान्वित किया गया, 57164 कृषकों को बीज, कीटनाशक एवं कृषि यन्त्रों पर अनुदान देकर लाभान्वित किया गया। 36598 कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री कर गोल्डन कार्ड बनाये गए तथा 158 राजस्व ग्रामों में 143268 गाटों का ई-खसरा पड़ताल ऐप के माध्यम से किया गया। जनपद में विशिष्ट कार्य करने वाले कृषक एवं कर्मचारियों को मा० विधायक गाजियाबाद द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा पशुपालन विभाग से उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजशेखर पाण्डेय, रमन मलिक, डॉ अजीत सिंह राणा, डॉ हरिवंश सिंह, एजाज शमीम, श्रीमती राशि चौधरी, प्रद्युम्न त्यागी, मनोज कुमार, लक्ष्मी शंकर और राजकुमार को विशिष्ट कार्य करने के लिए प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया ।

कार्यक्र के दौरान सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से कलाकारों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से सम्बंधित नुक्कड़ नाटक, गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एस पी पांडेय, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी आदि का सहयोग रहा।

राज्य सरकार द्वारा लागू नीति इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति, 2005/2014

विकासकर्ताओं ने संशोधित डीपीआर का प्रस्तुतीकरण किया

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। राज्य सरकार द्वारा लागू नीति इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति, 2005/2014 के तहत आज जीडीए में विकासकताओं द्वारा प्रस्तुत संशोधित डीपीआर (Detailed Project Report) का प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक की अध्यक्षता नंद किशोर कलाल उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा की गई। इस अवसर पर विकासकताओं द्वारा परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रस्तावित संशोधन तथा नीति के अनुरूप किए जाने वाले विकास कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। उपाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुतिकरण का गहन परीक्षण करते हुए निर्देशित किया गया कि समस्त कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित नीति एवं दिशा-निदेर्शों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए।

साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि संशोधित डीपीआर के आधार पर परियोजनाओं को शीघ्र गति प्रदान की जाएगी, जिससे संबंधित क्षेत्रों का समुचित विकास सुनिश्चित हो सके तथा आमजन को अपेक्षित आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। प्राधिकरण द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी विकास कार्य नियमानुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर संपादित हों, जिससे जनहित को अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

बकायेदारों के लिए गोल्डन चांस: एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस), 2026 के प्रभावी संचालन हेतु निर्देश जारी

गाजियाबाद। आवास बंधु, उत्तर प्रदेश द्वारा 'एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस), 2026' के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह योजना बकायेदारों को राहत प्रदान करने एवं राजस्व वसूली को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। निदेर्शों के अनुसार, शासनादेश जारी होने के एक माह के भीतर सभी प्राधिकरणों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए ई-मेल, एसएमएस, पत्राचार, शिविरों का आयोजन तथा होर्डिंग आदि माध्यमों का उपयोग किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंच सके। सभी जिलाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे योजना के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ की गई कार्यवाही की सूचना निर्धारित प्रारूप में अनिवार्य रूप से प्रेषित करें। प्रारंभिक सूचना 28 मार्च, 2026 तक उपलब्ध कराई जानी है, जबकि इसके पश्चात साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट 04 अप्रैल, 11 अप्रैल एवं 18 अप्रैल, 2026 को प्रस्तुत की जाएगी। इसी क्रम में, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा भी निर्देशित किया गया है कि प्राधिकरण की समस्त योजनाओं में प्रभारी अधिकारियों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसे सभी लंबित एवं पात्र प्रकरणों में अधिकतम संख्या में लाभार्थियों को एकमुश्त समाधान योजना का लाभ प्रदान किया जाए।

गाजियाबाद नगर निगम को मिला पुरस्कार, महापौर तथा नगर आयुक्त को किया गया सम्मानित

प्रतीक भार्गव

गाजियाबाद। विश्व जल दिवस के उपलक्ष में दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड वाटर अवार्ड 2025-26 कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया गया, कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम को वाटर डाइजेस्ट तथा यूनेस्को द्वारा बेस्ट इनीशिएटिव इन सस्टेनेबल अर्बन वॉटर मैनेजमेंट एवं सर्कुलर इकोनामी इन सेनिटेशन श्रेणी के लिए सम्मानित किया गया। जिसको जल शक्ति मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री सी आर पाटील जी एवं राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी जी द्वारा महापौर तथा नगर आयुक्त तथा जलकल विभाग की टीम को सम्मानित किया गया, कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम से अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महा प्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, अधिशासी अभियंता जल आश कुमार व अन्य टीम उपस्थित रही।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड के अंतर्गत संचालित किए जा रहे टीएसटीपी प्लांट के अंदर शोधित जल का पुनः उपयोग करते हुए औद्योगिक इकाइयों तक पहुंचने का कार्य किया जा रहा है जिसको वाटर डाइजेस्ट तथा संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक विज्ञान और सांस्कृतिक संगठन द्वारा पुरस्कार दिया गया है जो की गाजियाबाद नगर निगम के साथ शहर वासियों के लिए भी गर्व का विषय है, कार्यक्रम में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जल संचयन तथा जल संरक्षण के लिए किया जा रहे कार्यों को भी साझा किया गया कार्यक्रम में हरियाणा नोएडा अथॉरिटी बेंगलुरु,इंडस्ट्रीज तथा जल विभागों ने प्रतिभाग किया।

महापौर द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम ने अपशिष्ट जल उपचार के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जो नवाचार और पर्यावरणीय सतर्कता का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस परियोजना का केंद्रबिंदु तृतीयक मलजल उपचार संयंत्र (TSTP) है, जिसकी क्षमता 40 MLD है और जिसका उपयोग औद्योगिक उद्देश्यों के लिए जल पुनर्चक्रण में किया जाता है, परियोजना को कई अन्य पहलों द्वारा समर्थित किया गया है, जिनमें रळढ से उपचारित जल का पुनः उपयोग मियावाकी वृक्षारोपण पहल के लिए किया जाना शामिल है, जो स्वच्छ वायु को बढ़ावा देता है और सतही जल के बहाव को रोकता है। GNN ने हाल ही में तालाबों का पुनरोद्धार एवं उनकी क्षमता का विस्तार किया है, 100 से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की है और 400 से अधिक ऊँची आवासीय सोसायटियों में छत वर्षा जल संचयन प्रणाली की सुविधा प्रदान की है। महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा संयुक्त रूप से उपस्थित जनों से निगम की जल संबंधित योजनाओं को साझा किया गया, वाटर डाइजेस्ट की डायरेक्टर अनुपमा मदहोक सूद द्वारा महापौर तथा नगर आयुक्त का कार्यक्रम में पधारने हेतु धन्यवाद किया गया।

गाजियाबाद नगर निगम को शहर में वाटर मैनेजमेंट के बेहतर तरीके और वॉटर सैनिटेशन के बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया, जन जन को पानी की महत्वता के लिए जागरूक करने का कार्य, पब्लिक सेक्टर में जलापूर्ति के बेहतर तरीकों को बनाने, पानी छिड़काव, तथा साहिबाबाद औद्योगिक इकाइयों को जलापूर्ति के कार्यों को सरहाया गया।

मिशन शक्ति 5.0: महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण का संदेश लेकर सड़कों पर उतरीं महिला पुलिसकर्मी

मनीषा भार्गव

गाजियाबाद। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत आज दिनांक 24.03.2025 को गाजियाबाद में महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया।

यह रैली प्रातः 10:45 बजे पुलिस लाइन्स, गाजियाबाद से प्रारम्भ हुई, जिसका औपचारिक शुभारंभ लगभग 11:20 बजे उच्च अधिकारीगण द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

रैली का उद्देश्य आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों और हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

रैली का मार्ग पुलिस लाइन्स से शुरू होकर पुराना बस अड्डा, चौधरी मोड़, कोतवाली नगर, हापुड़ मोड़ होते हुए पुनः पुलिस लाइन्स पर आकर समाप्त हुआ।

पूरे मार्ग में महिला पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं, हेल्पलाइन नंबरों तथा आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया।

रैली को देखने के लिए मार्ग में लोगों की भीड़ जुटी, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को जागरूक एवं सशक्त बनाया जाएगा।

IPL 2026: How the Cricket Fan Has Evolved Beyond the Broadcast

Prateek Bhargava

Mumbai. As the Indian Premier League approaches another season, the most significant transformation is not tactical, commercial, or even technological. It is behavioural.

Over the past few seasons, the cricket fan has transitioned from being a passive viewer to an active participant in the digital ecosystem surrounding the tournament. What was once defined primarily by match-day viewership is now shaped by year-round engagement, interactive participation, and personalised digital journeys.

The IPL fan today does far more than watch. They build fantasy teams, join private leagues, deploy in-match boosters, participate in predictive games, respond to personalised notifications, and consume multiple formats of highlight content within minutes of key moments. In a recent season alone, more than 400k fantasy users created over 75k leagues and used upwards of 200k gameplay boosters across the tournament lifecycle. These numbers are not simply indicators of scale; they reflect a structural shift in how fans choose to engage.

This evolution is also visible in engagement depth. One leading IPL franchise witnessed a 5.7x increase in average fan engagement time after building a mobile-first digital ecosystem, while capturing more than 2 million first-party fan profiles and achieving 64 percent in-season user retention. Over a three-year period, this digital transformation contributed to a 40 percent increase in enterprise value. These metrics signal a movement away from episodic consumption toward habitual participation.

As Chintan Shah, SVP India, SI, observes, "The IPL is no longer defined by match-day consumption alone. Fan behaviour now extends across a connected ecosystem of content, interaction and participation, where engagement builds progressively over time rather than peaking around live moments. This evolution is reshaping how sports properties think about audience value."

Similar trends are visible across other IPL ecosystems. One franchise recorded a 4.6x rise in average engagement time and a 2.4x increase in app screenviews, alongside over 500k app downloads, reinforcing how interactive ecosystems deepen fan involvement beyond match windows.

Video continues to play a crucial role in fan acquisition. Across franchise ecosystems, digital platforms have delivered over 2 billion video views layered around match content. The important insight, however, is that video alone does not build loyalty. Interactive formats layered around those moments drive sustained behaviour.

Loyalty frameworks and gamified participation are further reshaping engagement patterns. In one franchise ecosystem, more than 400k app downloads were driven through integrated loyalty mechanics, while in-app campaigns during peak match windows recorded response rates between 50-65%. Such response levels illustrate that fans are willing to interact deeply when experiences are contextual, timely and rewarding.

Perhaps the most important shift underpinning IPL's digital growth is the move toward owned fan relationships. While social platforms continue to provide reach, franchises are increasingly investing in unified logins, structured CRM journeys, interactive match centres and personalised engagement frameworks. The objective is not merely visibility, but intelligence - understanding when fans engage, which players they follow, what formats they prefer, and how frequently they participate. IPL 2026 therefore represents more than the start of another season. It reflects the maturation of India's sports digital economy. The league is no longer only a broadcast spectacle; it is an interactive platform where fan identity, data signals, gaming participation and content consumption intersect.

The cricket fan has evolved. The next phase of growth will belong to ecosystems that recognise this shift - moving beyond measuring how many people are watching to understanding how deeply they are engaging.

इंडियन ऑयल गाजियाबाद हेरिटेज रन 2026: प्रभारी मंत्री ने किया टी-शर्ट का लोकार्पण

11 अप्रैल को होगा भव्य आयोजन, 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों का लक्ष्य

डॉ धीरज कुमार भार्गव

गाजियाबाद। इंडियनऑयल गाजियाबाद हेरिटेज रन 2026 के अंतर्गत विकास भवन, गाजियाबाद में प्रेस वार्ता एवं आधिकारिक टी-शर्ट लोकार्पण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में असीम अरुण (राज्यमंत्री, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, धौलाना विधायक धर्मेश तोमर, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ तथा मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह आयोजन जिला प्रशासन, गाजियाबाद के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की आधिकारिक टी-शर्ट का लोकार्पण किया गया तथा मीडिया के साथ आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। इंडियनऑयल गाजियाबाद हेरिटेज रन 2026 का आयोजन 11 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। यह उत्तर प्रदेश का पहला नाइट हेरिटेज रन होगा, जिसमें प्रतिभागियों को गाजियाबाद के प्रतिष्ठित एलिवेटेड मार्ग पर दौड़ने का अनूठा अनुभव प्राप्त होगा।

कार्यक्रम का आयोजन 156 एकड़ के सुंदर ग्रीन सिटी फॉरेस्ट में किया जाएगा। इस मेगा आयोजन में 21.1 किलोमीटर (अर्ध मैराथन), 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर, 3 किलोमीटर पैदल चाल तथा 2 किलोमीटर व्हीलचेयर दौड़ की श्रेणियां शामिल हैं। इसमें 10,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने हेतु लगभग 28.91 लाख रुपये के आकर्षक नगद पुरस्कार रखे गए हैं। इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के धावक भी भाग लेंगे, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्राप्त होगा। आयोजकों को विश्वास है कि इस विश्वस्तरीय ट्रैक पर अर्ध मैराथन का राष्ट्रीय कीर्तिमान भी स्थापित हो सकता है। यह आयोजन केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि फिट इंडिया अभियान, महिला सशक्तिकरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। साथ ही पुलिस, सेना एवं अर्धसैनिक बलों के लिए विशेष श्रेणियां भी निर्धारित की गई हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य गाजियाबाद को एक स्वस्थ, सक्रिय एवं खेल-अनुकूल शहर के रूप में स्थापित करना है, जिससे यह आयोजन शहर के लिए एक ऐतिहासिक पहचान बने। इस भव्य आयोजन का संचालन एक्सएलआर8 बेसकैम्प एवं मैराथन स्पोर्ट हब द्वारा किया जा रहा है, जो पूर्व में भी अनेक बड़े खेल एवं फिटनेस आयोजनों का सफल संचालन कर चुके हैं।

आयोजकों ने सभी नागरिकों, युवाओं एवं धावक समुदाय से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाएं। इस दौरान बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि एवं आयोजक उपस्थित रहे।

अवैध कालोनियों पर चला जीडीए का बुलडोजर, डासना-मसूरी में बड़े पैमाने पर कार्रवाई

टीबीसी संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कालोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को प्रवर्तन जोन-03 के अंतर्गत डासना व मसूरी क्षेत्र में व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया।

इस दौरान हजारों वर्ग मीटर में फैले अवैध निमार्णों को जमींदोज कर दिया गया। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रभारी प्रवर्तन जोन-03 के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में ग्राम मसूरी के खसरा संख्या-582 में करीब 3000 वर्ग मीटर, कुशलिया क्षेत्र (खसरा संख्या-1635) में लगभग 5000 वर्ग मीटर तथा डासना-मसूरी इलाके में विभिन्न स्थानों पर करीब 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित अवैध कालोनियों को ध्वस्त किया गया।

इसके अलावा मसूरी रेलवे फाटक रोड, डासना स्टेशन के पीछे लगभग 8000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में तथा मसूरी झील रोड पर जेल इंडिया के सामने करीब 4000 वर्ग मीटर में किए गए अवैध निमार्णों पर भी बुलडोजर चलाया गया। इन कालोनियों में कॉलोनाइजरों द्वारा बनाई गई सड़कें, बाउंड्रीवाल और साइट ऑफिस पूरी तरह तोड़ दिए गए।

कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों और निर्माणकताओं ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए अभियान को जारी रखा। इस दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर/मेट सहित स्थानीय पुलिस और प्राधिकरण की टीम मौके पर मौजूद रही। जीडीए का स्पष्ट संदेश है कि अवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में सुनीं जन समस्याएं, अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश

मनीषा भार्गव

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनसुनवाई कर आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें बड़ी संख्या में प्राप्त हुईं, जिन पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान राजस्व विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़े प्रार्थना पत्र और शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गईं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इस प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय उत्तर प्रदेश से जनता दर्शन और जनसुनवाई की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह व्यवस्था पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है, जिससे शिकायतों का निस्तारण बेहतर ढंग से किया जा सके। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक आम जनता की शिकायतें सुनना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। साथ ही, अधिकारियों को ऑनलाइन माध्यम से भी जुडने और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया।

तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न, 133 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 10 का निस्तारण

प्रतीक भार्गव

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन पर जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट व दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी लोनी की अध्यक्षता की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 04 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, दीपक सिंघनवाल ज्वाईंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी लोनी, एसीपी लोनी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम सदर अरूण दीक्षित की अध्यक्षता में सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 03 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार सदर सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। एडीएम ई ज्योति मौर्य की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 84 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

इस दौरान एसडीएम जे, तहसीलदार मोदीनगर, नायब तहसीलदार, सहित अन्य विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 133 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 10 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

Printed and Published by Manisha Bhargava at Nutan Offset Printing Press, House N.o- 9, Maliwara, Ghaziabad. 201001 and Published at Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.). **Editor:** Manisha Bhargava, **Sub Editor:** Dheeraj Kumar** **Email:** editor@tbam.co.in **RNI. No:** 101248 (UPBIL/2009/28691), **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Mob. 98105 22380, 98718 95198. Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.